शंकर का डमरू बाजे रे कैलाशपति शिव नाचे रे

शंकर का डमरू बाजे रे।
कैलाशपति शिव नाचे रे॥

जटाजूट में नाचे गंगा ।
शिव मस्तक पर नाथे चंदा॥
नाचे वासुकी नीलकंठ पर,
नागेश्वर गल साजे रे,
शंकर का...

सीस मुकुट सोहे अति सुंदर।
नाच रहे कानन में कुंडल॥
कंगन नूपुर चर्म-ओढ़नी,
भस्म दिगम्बर राजे रे॥
शंकर का...

कर त्रिशूल कमंडल साजे।
धनुष-बाण कंधे पै नाचे॥
बजे 'मधुप' मृदंग ढोल डफ,
शंख नगारा बाजे रे॥
शंकर का...

तीनलौक डमरू जब बाजे।
म डम,डम डम,की ध्यनि गाजे॥
ब्रह्म नाचे, विष्णु नाचे,
अनहद का स्वर गाजे रे॥
शंकर का...

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33356/title/Shankar-ka-damroo-baaje-re-kailashpati-shiv-nache-re

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |